

नाव चलेमाता

एक चित्रकथा
गोंडी भाषा में



एकलाय

चित्र एवं कहानी - वी सुतेयेव

नाव चलेमाता

नाव चली (गोंडी)

NAAV CHALI (GONDI)

स्टोरीज़ एण्ड पिक्चर्स की एक चित्रकथा प्रगति प्रकाशन, मॉस्को के सौजन्य से प्रकाशित।

चित्र और कहानी: वी सुतेयेव

हिन्दी से गोंडी अनुवाद: उर्मिला तेकाम

संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव, निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते
सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: अपूर्वा राजे, इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

एचटी पारेख फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित

यह किफायती संस्करण अँग्रेज़ी, हिन्दी व कोरकू में भी उपलब्ध है।

पहला संस्करण: मार्च 2023/8000 प्रतियाँ

कागज़: 100 gsm मेपलिथो पर प्रकाशित

ISBN: 978-93-94552-37-1

मूल्य: 12.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन

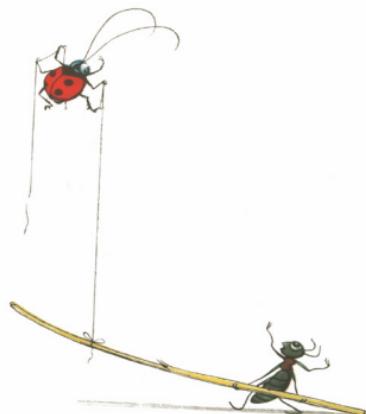
जमनालाल बजाज परिसर,

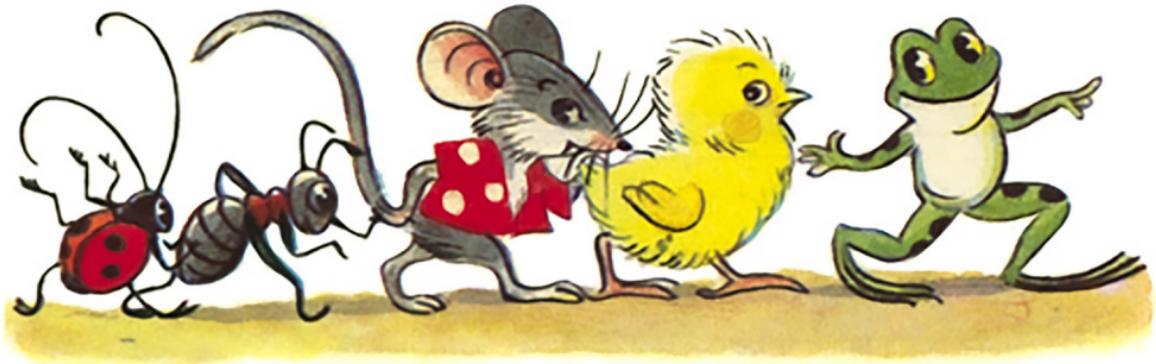
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)

फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72

www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 - 2687 589





उंदी फ्ने, उंदी चिवाल, उंदी अल्ली, उंदी पत्ते उंडे उंदी
गुबरैलाल सब वलितालक पसितुरा।
ताकसी-ताकसी कुन ओर उंदी झिरना ता किनाडे अवसेतुरा।



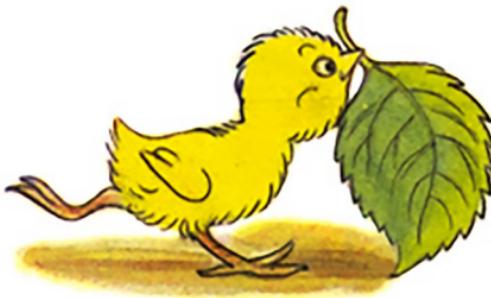
“चल तिरे,” मायकट इन्जीकुन फ्ने येते डयसितुला।



“मने माकुम तो तिरे माई अल वायो,” चिवाल, अल्ली, पते उंडे
गुबरैलाल इत्तुरा “टर्र टर्र टर्रा फिर मिवा तो इगा बैनई काम अईलो”
फने कव्वी लातुला उंडे लगातार कव्वी लातुला इच्छो कवतुल इच्छो
कवतुल की ओना सांस अटके माई लाता।



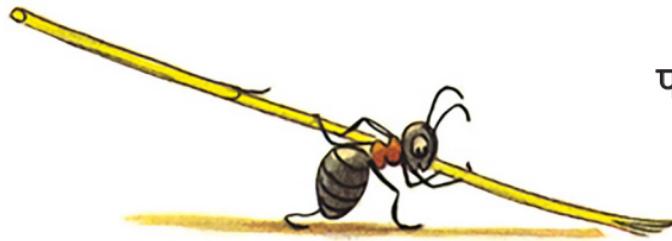
चिवान, अल्लिन, पत्तेन उंडे गुबरैलन लयसो कनबउन लागतु।
ओर बैनाई तरकीप सोचेमायाना कोशिश कीतुरा।
ओर सोचेमातुर, सोचेमातुर, सोचेमातुरा उंडे फिर ओर इद
तरकीप टंडतुरा।



चिवाल हत्तुल उंडे जल्दी उंदी
आकी अरी वातुला।

अल्ली उंदी अखरोट ता छिलका
अरी वातुला।





पत्ते उंदी डंडा अरी वातु।

उंडे गुबरैलाल करियल धागा ता
उंदी लंबो टुकड़ा अरी वातुल।





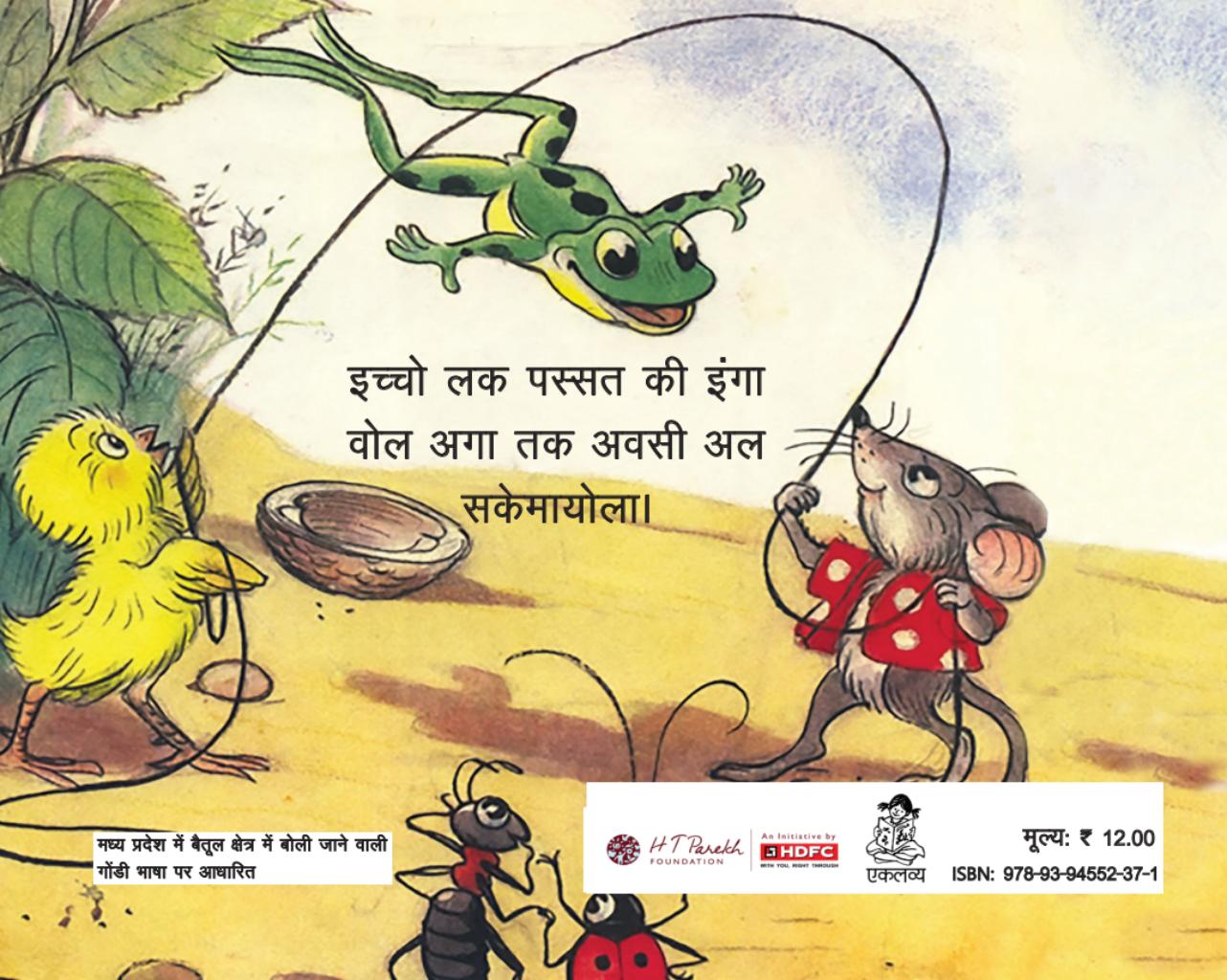
फिर ओर सब काम ते लागसेतुरा ओर डंडा तुन अखरोट ता
छिलका ता रोपा फंसी किसीतुरा उंडे आकी तुन धागा तल
दोच्चितुरा उंदी मिनट ते सुंदर नाव बनेमासिकुन तैयार आसता।



ओर तान येते धकिकसितुर उंडे तान पर्रा तरिसेतुरा
उंडे ताकिलात ओरा नाव।

पने ओना तल्लाडून येतल
बहारो टंडतुला ओल
फिरतल कव्वान वाले
मत्तोल की मने नाव तो
लयसोलक पस्सी मंजीता।





इच्छो लक पस्सत की इंगा
वोल अगा तक अवसी अल
सकेमायोला।

मध्य प्रदेश में बैतूल क्षेत्र में बोली जाने वाली
गोड़ी भाषा पर आधारित



HT Parekh
FOUNDATION

An Initiative by
 HDFC
WITH YOU, RIGHT THROUGH



मूल्य: ₹ 12.00
ISBN: 978-93-94552-37-1